Evaluation Only. Created with Aspose.PDF. Copyright 2002-2020 Aspose Pty Ltd.

कोविड के 28 नए मामले, कंटेनमेंट जोन बढ़कर 104

■ विस, नई दिल्ली : दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोविड के 28 नए मामले सामने आए हैं और संक्रमण दर 0.05 प्रतिशत दर्ज की गई है। इस बीमारी से 29 मरीज रिकवर हुए हैं। कोविड से कोई मौत नहीं हुई है। राहत की बात यह है कि अक्टूबर में 14 में से 12 दिन ऐसे रहे हैं, जब कोविड से कोई मौत दर्ज नहीं हुई है। वहीं, दिल्ली में कंटेनमेंट जोन एक बार फिर 100 के पार हो गए हैं। कंटेनमेंट जोन की संख्या 99 से बढ़कर 104 हो गई है। शहर में 337 एक्टिव केस हैं।

पिछले 24 घंटे में 61012 टेस्ट किए गए हैं। हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक इस समय कोविड अस्पतालों में 207 मरीज इलाज करवा रहे हैं, जबकि 99 मरीज अभी होम आइसोलेशन में हैं। पिछले 24 घंटे में 74583 वैक्सीनेशन हुए हैं, जिसमें से 29985 को पहली डोज और 44598 को दूसरी डोज लगी है।

फेस्टिव सीजन में ना हो जाए चूक, सड़कों पर उतरे कई डीसीपी

Prashant.Soni@timesgroup.com

■ नई दिल्ली : दिल्ली में फेस्टिव सीजन के दौरान आतंकी हमलों के खतरे और स्ट्रीट क्राइम बढ़ने की आशंका को देखते हुए दिल्ली पुलिस हाई अलर्ट पर है। पिछले हफ्ते दस दिन से लगातार भीड़भाड़ वाले बाजारों, धार्मिक स्थलों, मॉल्स व कमर्शल कॉम्प्लैक्स और अन्य संवेदनशील जगहों पर पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई है। सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेने के लिए कुछ जगहों पर मॉक ड्रिल भी कंडक्ट की गई हैं।

अब दुर्गा पूजा और दशहरे को देखते हुए खुद तमाम जिलों के डीसीपी सड़कों पर उतरकर फुट पट्रोलिंग कर रहे हैं और तमाम सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेकर उन्हें दुरुस्त रखने के लिए अपने मातहत अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे रहे हैं। चूंकि शाम के वक्त बाजारों और धार्मिक स्थलों पर भीड़ बढ़ने लगी है, ऐसे में शाम को विशेष एहतियात बरती जा रही है। पुलिस के सीनियर अफसरों के द्वारा की जा रही इस कवायद के बारे में सोशल मीडिया के जरिए भी आम लोगों को लगातार जानकारी दी जा रही है।

नई दिल्ली डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी दीपक यादव ने जहां CP का चक्कर लगाया (बाएं) तो वहीं साउथ-ईस्ट की डीसीपी ईशा पांडे ने लाजपत नगर में की फुट पट्रोलिंग

पिछले एक हफ्ते के दौरान सभी जिलों के डीसीपी अपने-अपने जिलों की सभी संवेदनशील जगहों पर खुद जाकर अपनी पुरी टीम के साथ एरिया डोमिनेशन और फुट पट्रोलिंग कर रहे हैं। बुधवार को साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट की डीसीपी ईशा पांडे ने जहां पूरे लाजपत नगर मार्केट में फुट पट्रोलिंग की, तो वहीं नई दिल्ली के डीसीपी दीपक यादव ने कनॉट प्लेस का चक्कर लगाया। उधर वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की डीसीपी उर्विजा गोयल ने तिलक नगर मार्केट में सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया, तो साउथ डिस्ट्रिक्ट की डीसीपी वेनिता मेरी जेकर ने छतरपुर मंदिर और सीआर पार्क जाकर सुरक्षा इंतजामों के सिलसिले में पुलिस फोर्स की ऑन्ग्राउंड ग्रीफिंग की। कालकाजी मंदिर पर भी साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट डीसीपी खुद रोज जाकर सुरक्षा इंतजामों को चाक-चौबंद रखने का इंतजाम कर रहीं हैं।

- बाजारों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाली अन्य जगहों पर विशेष सतर्कता
- आतंकी हमलों के इनपुट के मद्देनजर लगातार कर रहे पट्रोलिंग

मार्केट्स में फुट पट्रोलिंग के दौरान डीसीपी मार्केट असेसिएशन के पदाधिकारियों और अन्य दुकानदारों से बात करके उन्हें भी अलर्ट रहने का निर्देश दे रहे हैं। दुकानों पर तैनात प्राइवेट सिक्योरिटी गार्डों को भी विशेष एहतियात बरतने के लिए कहा गया है। आतंकी हमलों के खतरे के मद्देनजर मार्केट में एन्क्रोचमेंट हटाकर पैदल चलने वालों का रास्ता क्लियर रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए सिविक एजेंसियों से भी मदद ली जा रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पिछले हफ्ते हुई एक बैठक में पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने फेस्टिव सीजन के दौरान आतंकी हमलों के खतरे को लेकर पुलिस अधिकारियों के साथ चर्चा की थी और उनसे सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त करने और सभी इंतजामों पर खुद निगरानी रखकर पुलिस की अलर्टनेस को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। उसी के बाद से डीसीपी और जॉइंट सीपी से लेकर स्पेशल सीपी रैंक तक के तमाम अधिकारी खुद फील्ड में उतर रहे हैं।

पर्यावरण, राजस्व और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों की हुई साझा बैठक में बनी रणनीति

'रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ' की तैयारियां तेज

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ 18 अक्टूबर से शुरू होने जा रहे 'रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ' अभियान को लेकर गुरुवार को पर्यावरण, राजस्व एवं दिल्ली पुलिस के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। यह अभियान 18 नवंबर तक चलेगा। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बैठक के बाद बताया कि इस बड़े अभियान में 100 चौराहों पर 2500 सिविल डिफेंस वॉलंटियर तैनात किए जाएंगे। 90 चौराहों पर 10-10 वॉलंटियर और 10 मुख्य चौराहों पर 20-20 सिविल डिफेंस के पर्यावरण मार्शल तैनात किए जाएंगे। यह अभियान सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक दो शिफ्ट में चलेगा। 'मुख्यमंत्री की तरफ से जनता के नाम अपील' का पैम्फलेट भी चौराहों पर वितरित किया जाएगा।

दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केजरीवाल सरकार कई अभियान चल रही है। धूल प्रदूषण को रोकने के लिए 7 अक्टूबर से एंटी डस्ट अभियान चलाया जा रहा है। पराली प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली में पूसा वायो डी-कंपोजर घोल का छिड़काव किया जा रहा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों से अपील की है कि वे प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार के साथ सहयोग करें। रेड लाइट ऑन होने पर गाड़ी ऑफ करें। हफ्ते में कम से कम एक दिन अपनी गाड़ी का इस्तेमाल न करें। उस दिन सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें या कार पूलिंग करें। दिल्ली के अंदर किसी भी तरह का प्रदूषण होता दिख रहा है तो ग्रीन दिल्ली ऐप पर जरूर शिकायत करें।

अभियान के तहत 100 प्रमुख चौराहों पर 2500 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स तैनात होंगे

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि मुख्य चौराहों- चंदगीराम अखाड़ा, आईटीओ चौक, राजघाट चौक, तिलक मार्ग, भगवान दास क्रॉसिंग, कड़कड़ी मोड़, वायरलेस टॉलस्टॉय मार्ग, राजेश पायलट मार्ग, मधुवन चौक, मोती बाग रिंग रोड और पीरागढ़ी चौक सहित दस मुख्य चौराहों पर 20-20 वॉलंटियर तैनात किए जाएंगे। पहली शिफ्ट सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक होगी। दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 से शाम 8 बजे तक होगी। दोनों पारियों में वॉलंटियर चौराहों पर तैनात रहेंगे। इन चौराहों पर सिविल डिफेंस वॉलंटियर टी शर्ट-कैप पहनकर जागरूकता के लिए प्लेकार्ड लेकर खड़े होंगे और लोगों से रेड लाइट पर गाड़ी ऑफ करने की अपील करेंगे। दिल्ली की आरडब्ल्यू, मार्केट असोसिएशन, क्लब और पर्यावरण से संबंधित एनजीओ के साथ भी सरकार बात कर रही है। पट्रोलियम कंजर्वेशन रिसर्च असोसिएशन (पीसीआरए) की शोध के मुताबिक, अगर रेड लाइट पर गाड़ियों को बंद किया जाए तो 13 से 20 फीसदी तक वाहन प्रदूषण कम किया जा सकता है। इसके अलावा लगभग 250 करोड़ रुपए बचाए जा सकते हैं।

आज 16 से 23% बढ़ जाएगी बायोमास से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी !

IITMM पुणे का नया डिसिजन सपोर्ट सिस्टम दे रहा जानकारी

Poonam.Gaur@timesgroup.com

■ नई दिल्ली : आज दिल्ली एनसीआर में बायोमास से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी बढ़कर 16 से 23 प्रतिशत तक हो सकती है। बायोमास में लकड़ी, गोबर, पराली आदि शामिल हैं। आईआईटीएमएम पुणे के नए डिसिजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) में प्रदूषण के सोर्स के बारे में इसी तरह की जानकारी दी जा रही है। नए आयोग के निर्देश पर यह नया सिस्टम प्रदूषण के सोर्स के बारे में पता लगाने के लिए तैयार किया जा रहा है। आधिकारिक तौर पर इस सिस्टम की अभी लॉन्चिंग नहीं हुई है, लेकिन इसका ट्रायल शुरू हो चुका है।

सिस्टम के अनुसार राजधानी में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह इन दिनों वायोमास का जलाया जाना है। 14 अक्टूबर की सुबह 11 बजे प्रदूषण में इसकी हिस्सेदारी 11.3 प्रतिशत के करीब रही। हालांकि 13 अक्टूबर को रात 10 बजे तक यह 5.1 प्रतिशत थी। 13 अक्टूबर तक दिल्ली को प्रदूषित करने में सबसे बड़ी वजह ट्रांसपोर्ट थी। 13 अक्टूबर को सुबह 8 बजे राजधानी में प्रदूषण में ट्रांसपोर्ट की हिस्सेदारी 26.3 प्रतिशत थी, लेकिन 14 अक्टूबर को सुबह 8 बजे यह महज 5.7 प्रतिशत रह गई है। हालांकि दशहरे वाले दिन यह शाम 6, 7 बजे के आसपास बढ़कर 27 प्रतिशत के आसपास पहुंचने की आशंका है। वहीं, दशहरे वाले दिन सुबह के समय वायोमास का प्रदूषण 22 प्रतिशत के आसपास रहेगा, जो शाम तक सिमटकर 5 से 6 प्रतिशत रह जाएगा। 17 अक्टूबर से वायोमास प्रदूषण सिमट जाएगा। गौरतलब है कि 17 अक्टूबर को बारिश की संभावना जताई गई है। बारिश होने पर पराली नहीं जलती।

File

13 अक्टूबर तक दिल्ली के प्रदूषण में ट्रांसपोर्ट की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा रही

ट्रायल शुरू

- बायोमास में लकड़ी, गोबर के साथ पराली आदि शामिल हैं
- सिस्टम लॉन्च नहीं हुआ है, लेकिन इसका ट्रायल शुरू है
- दिल्ली को प्रदूषित करने में अभी ट्रांसपोर्ट सबसे बड़ी वजह

पराली जलाने का धुआं पहुंचने लगा दिल्ली

File

पड़ोसी राज्यों में जलने वाली पराली हर साल दिल्ली में देती है प्रदूषण का दर्द

Poonam.Gaur@timesgroup.com

■ नई दिल्ली : पराली का धुआं हवाओं के साथ राजधानी पहुंचने लगा है। आईआईटीएम पुणे के अनुसार, गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में पीएम 2.5 में पराली के धूएं की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत तक रही। पराली जलाने के मामलों में अब तेजी से इजाफा हो रहा है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, पराली जलाने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। 16 अक्टूबर की शाम से बारिश की संभावना है। इसके अलावा दशहरे के दो दिन पूर्व पराली यूं भी खुब जलाने का एक प्रचलन सा है। यही वजह है कि 14 और 15 अक्टूबर पराली जलाने के मामले में बेहद संवेदनशील हैं। आईआईटीएम पुणे से मिली जानकारी के अनुसार 13 अक्टूबर को हरियाणा में 91 और पंजाब में 132 जगहों पर पराली जलाई गई। इन 132 मामलों में 37 तरनतारन और 26 अमृतसर के हैं। इसके अलावा इनसे लगते पाकिस्तान में भी पराली जलाई जा रही है। हरियाणा-पंजाब में ही एक दिन में 223 मामले सामने आए हैं। इस सीजन के यह सर्वाधिक मामले हैं। वहीं बारिश से पहले किसानों की कोशिश होगी कि अधिक से अधिक पराली को निपटा दिया जाए। मिली जानकारी के अनुसार पंजाब में 13 अक्टूबर को कुल 132 जगहों पर पराली जलाने के मामले सामने आए हैं। जबकि 13 अक्टूबर 2020 में पराली जलाने के 240 और 2019 में 117 मामले सामने आए थे। 15 सितंबर से 13 अक्टूबर तक पंजाब में इस साल पराली जलाने के 1057 ममले अब तक सामने आ चुके हैं जबकि 2020 में इनकी संख्या 3123 रही थी।

फिर वही समस्या

- गुरुवार को राजधानी में करीब 10 पर्सेंट प्रदूषण पराली जलाने की वजह से रहा
- इस सीजन में अब तक सबसे अधिक 223 जगहों पर जलाई गई पराली, 132 पंजाब में
- तीन महीने बाद राजधानी में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 180 से उपर दर्ज हुआ

महिलाओं के लिए 6 नए पिंक टॉइलट्स शुरू

नॉर्थ एमसीडी एरिया में बनाए गए हैं

■ प्रस, नई दिल्ली : नॉर्थ दिल्ली के नेहरू हिल्स, मिरदर्द रोड पार्क, प्रियदर्शनी कॉलोनी, रिंग रोड, आजाद मार्केट के पास जेई स्टोर, महाराजा अग्रसेन पार्क, कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन और एलएनजेपी हॉस्पिटल के पास एमसीडी ने महिलाओं के लिए 6 पिंक टॉइलट्स बनाए हैं। टॉइलट्स की सफाई के लिए नियुक्त सभी स्टाफ महिला होंगी और उनकी वर्दी भी पिंक ही होगी। गुरुवार को सभी टॉइलट्स का उद्घाटन किया गया। इस दौरान नॉर्थ एमसीडी कमिश्नर संजय गोयल, मेयर व अन्य कुछ अधिकारी मौजूद रहे।

पिंक टायलेट्स महिलाओं और बच्चों दोनों के लिए अनुकूल हैं। टॉयलेट्स के कुछ शीट बच्चों को ध्यान में रखा कर छोटे साइज के बनाए गए हैं। इसके पहले करोल बाग एरिया में ऐसे 4 पिंक टॉयलेट्स पहले से ही चल रहे हैं। नॉर्थ एमसीडी एरिया में अब 10 पिंक टॉयलेट्स हो गए हैं।

राजन बाबू टीबी हॉस्पिटल की बिल्डिंग बेहद जर्जर, मरीजों की जान जोखिम में

लेकिन खुद नॉर्थ एमसीडी नहीं मानती अपनी इस इमारत को खतरनाक

Sudama.Yadav@timesgroup.com

■ नई दिल्ली : एमसीडी हर साल दिल्ली में खतरनाक बिल्डिंगों का किस तरह से सर्वे करती है, उसकी एक बानगी देखिए। जो बिल्डिंग वास्तव में खतरनाक है, उसे कभी खतरनाक बिल्डिंगों की सूची में शुमार नहीं किया जाता। हादसे भी उन बिल्डिंगों में ही होते हैं, जो खतरनाक की सूची में नहीं हैं। ऐसे एक या दो नहीं, बल्कि दर्जनों मामले हैं। आजादपुर मंडी का मामला तो हाल का ही है, जहां इमारत गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई थी। इसी तरह अब एमसीडी की अपनी हॉस्पिटल बिल्डिंग है, जो बेहद जर्जर और खतरनाक है। अस्पताल में सैकड़ों मरीज भर्ती हैं और उन सभी की जान जोखिम में है।

अस्पताल की इमारत की ऐसी हो चुकी है दशा, इसके गिरने का बना हुआ है खतरा

अनहोनी का इंतजार !

- नॉर्थ एमसीडी ने बरसों से नहीं कराई है इसकी मरम्मत, इमारत हो चुकी खतरनाक
- लेकिन निगम के सर्वे में 600 खतरनाक बिल्डिंगों की सूची में इसका नाम शुमार नहीं
- दर्जनों मामलों में ऐसी इमारतें ही भरभरा कर गिरी हैं जो खतरनाक की सूची में नहीं थीं

राजन बाबू है एशिया का सबसे बड़ा टीबी हॉस्पिटल

मुकंदपुर के पार्षद अजय शर्मा के अनुसार राजन बाबू टीबी हॉस्पिटल को एशिया का सबसे बड़ा टीबी हॉस्पिटल कहा जाता है। सैकड़ों टीबी मरीज यहां भर्ती हैं जिनका इलाज चल रहा है। इलाज से उनकी जान बच सकती है, लेकिन जिस बिल्डिंग में वे भर्ती हैं, उसके गिरने से उनकी जान बचनी मुश्किल है। हॉस्पिटल की इमारत के हर फ्लोर पर 40-50 मरीज भर्ती हैं। यह बिल्डिंग पूरी तरह से जर्जर और खतरनाक हो चुकी है। लेकिन, दशकों से नॉर्थ एमसीडी अफसरों ने कभी रिपेयरिंग भी नहीं कराई। उनका कहना है कि इस मॉनसून के दौरान जिन खतरनाक बिल्डिंगों का नॉर्थ एमसीडी ने सर्वे किया था, उनमें 600 से अधिक इमारतें शामिल हैं। लेकिन, राजन बाबू टीबी हॉस्पिटल की इमारत का नाम इसमें नहीं है। ऐसा ही हाल आजादपुर मेन मंडी में जो बिल्डिंग गिरी थी, उसका है। वह बिल्डिंग भी खतरनाक बिल्डिंगों की सूची में शुमार नहीं थी। एमसीडी के इतिहास में जो बिल्डिंग्स खतरनाक बिल्डिंगों की सूची में शामिल होती हैं, उनमें कोई हादसा नहीं होता। जिन बिल्डिंगों के नाम सूची में नहीं होते, उनमें ही हादसा होता है। ऐसे कई मामले पिछले कुछ सालों में देखने को मिले हैं।

अफसरों को नहीं पता कि बिल्डिंग हो चुकी है जर्जर

पार्षद अजय शर्मा ने हॉस्पिटल की बिल्डिंग के खतरनाक होने का मुद्दा स्टैंडिंग कमिटी की मीटिंग में भी उठाया था। उन्होंने डीएचए से भी सवाल किया, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं है कि बिल्डिंग की ऐसी हालत है। इस पर सभी ने हैरानी जताई और कहा कि हेल्थ डिपार्टमेंट के एचओडी होने के नाते डीएचए को इसकी पूरी जानकारी होनी चाहिए। अगर जानकारी नहीं है, तो 3 दिनों में पूरी रिपोर्ट स्टैंडिंग कमिटी चेयरमैन को दी जाए।

बच्चों पर तकलीफों का दिखाते हैं डर, ठग लेते हैं जूलरी-कैश

Shanker.Singh@timesgroup.com

■ नई दिल्ली: हरिद्वार से आए हुए बाबा होने का झांसा देकर महिलाओं से जूलरी और कैश उड़ाने वाला एक गैंग घूम रहा है। वह महिलाओं को उनके बच्चों पर कष्ट होने का डर दिखाता है। इन कष्टों को दूर करने के नाम पर उनकी जूलरी और कैश उतरवा ली जाती है। इसके बाद आंख बंद कर कुछ कदम चलवाता है और फिर माल लेकर रफूचक्कर हो जाते हैं। इस तरह के दो मामले यमुनापार में सामने आए हैं। एक मामला ईस्ट जिले के मधु विहार थाने का है तो दूसरा शाहदरा जिले के जगतपुरी थाना इलाके का है। पुलिस ने दोनों ही मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाल कर ठगों की पहचान की जा रही है।

दो युवक घूम रहे हैं, हरिद्वार से आए होने की गढ़ते हैं कहानी, महिलाओं को करते हैं ठगरोट

केस 1 : मधु विहार में चलाया 51 कदम, ले गए चेन-रुपए

गिनी नय्यर (42) परिवार के साथ आईपी एक्सटेंशन स्थित एक अपार्टमेंट में रहती हैं। वह मंगलवार सुबह 8:10 बजे दूध लेने के लिए निकलीं। रास्ते में एक लड़के ने रोका। वह कहने लगा कि हरिद्वार के आश्रम से आया है और आपकी छोटी बेटी कष्ट में रहती है। गिनी ने उनसे मुलाकात कर दिया। एक अन्य युवक आ गया। आरोपी ने युवक से बोला कि आपकी माता जी बहुत कष्ट में हैं। इनके साथ कपूर ले आओ। गिनी दूसरे युवक के साथ कपूर लाने चली गई। थोड़ी दूर चलने के बाद वह युवक बोला कि वह कोई पार्थ्वी लगता है। दोनों आरोपी के पास पहुंचे तो उसने कहा कि तुम मेरी बुराई कर रहे थे। एक काम करो कि अपना पर्स माताजी के हाथ में रखो और 51 कदम मां दुर्गा बोलते हुए चलना है। इससे तुम्हारी मां के कष्ट दूर होंगे। दूसरे युवक ने ऐसा ही किया। फिर गिनी की पांच तोले की जूलरी और दो हजार रुपये दूसरे युवक को दिलवा दी और उन्हें भी 51 कदम चलने के लिए कहा गया। गिनी ने ऐसा ही किया। फिर मुड़कर देखा तो दोनों आरोपी गायब थे।

केस 2: जगतपुरी में वरिष्ठ नागरिक महिला को ठगा

सत्यवती (66) जगतपुरी इलाके में रहती हैं। वह बुधवार सुबह करीब 9:25 बजे इलाके में ही दांत दिखाकर घर लौट रही थीं। रास्ते में एक लड़का उन्हें रोक कर एड्रेस पूछने लगा तो उन्होंने कहा कि वह इस गली की नहीं हैं। इसलिए वह एड्रेस नहीं जानती हैं। लड़का कहने लगा कि माताजी हरिद्वार के एक आश्रम से आया हूं और माता का भगत हूं। आपके छोटे बेटे पर कष्ट आने वाला है। अगर आपको कष्ट दूर करवाने हैं तो अपनी सारी जूलरी उतारकर पर्स में रख लें। उन्होंने अपनी चार अंगूठियां और गले की चेन समेत कुल पांच तोले की जूलरी पर्स में रख दी, जिसमें हजार रुपये कैश भी था। लड़के ने पर्स अपने हाथ में लिया और सत्यवती से सूर्य की तरफ आंख बंद कर दस कदम चलने को कहा। दस कदम चलने के बाद पीछे मुड़कर देखा तो एक दूसरा लड़का भी वहां आ गया। दोनों उनकी जूलरी और कैश लेकर फरार हो गए।

नए मॉड्यूलर इकनॉमी कोच देखने नई दिल्ली स्टेशन पहुंचे रेल मंत्री

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

रेल यात्रियों को कम किराए में आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव हो सके, इसके लिए भारतीय रेलवे ने नए वातानुकूलित थ्री टियर इकॉनमी कोच विकसित किए हैं। ट्रायल के तौर पर ये कोच दिल्ली और लखनऊ के बीच चलने वाली एसी स्पेशल एक्सप्रेस में इस्तेमाल भी किए जा रहे हैं। इन्हीं नए रेल कोचों को देखने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बुधवार देर शाम नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे। उनके साथ रेलवे बोर्ड के मेंबर (इन्फ्रास्ट्रक्चर) संजीव मित्तल, नॉर्दर्न रेलवे के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल, रेलवे बोर्ड के पीईडी (कोचिंग) देवेंद्र कुमार सिंह, दिल्ली मंडल के डीआरएम डिंपी गर्ग और रेलवे बोर्ड व नॉर्दर्न रेलवे के अन्य सीनियर अधिकारी भी मौजूद रहे। रेल मंत्री ने वातानुकूलित 3 टियर इकनॉमी कोच की खुबियों को देखा और उनकी तारीफ करते हुए कहा कि प्राथमिकता के आधार पर ऐसी ट्रेनों का परिचालन शुरू किया जाए, जिनमें सारे इसी तरह के कोच लगे हों। रेलवे के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि इन कोच की डिजाइन पहले के एसी कोचों से कुछ अलग है। पूरे कोच की मॉड्यूलर डिजाइन तैयार की गई है। सीटों के बीच की जगह भी बढ़ाई गई है।

कोच की डिजाइन में किए गए बदलावों की वजह से इन कोचों में वर्थ की संख्या भी 72 से बढ़कर 83 हो गई है। अधिकारियों का दावा है कि इन कोच में यात्रियों को न केवल ज्यादा सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि किराया भी पहले के मुकाबले 8 फीसदी तक कम रहेगा।

कोच की डिजाइन में किए गए बदलावों की वजह से इन कोचों में वर्थ की संख्या भी 72 से बढ़कर 83 हो गई है।

इन नए कोचों में यात्रियों को मिलेंगी ज्यादा सुविधाएं, किराया भी रहेगा कम

फेस्टिवल ऑफ इंडिया

क्यों किया राम ने सीता का परित्याग
क्या सीता के परित्याग के अलावा राम के पास लोकनिंदा से बचने का कोई दूसरा उपाय नहीं था?

जानने के लिए पढ़ें हिंदी की सर्वश्रेष्ठ इंफोटेनमेंट सर्विस नवभारत गोल्ड की खास सीरीज फेस्टिवल ऑफ इंडिया

इस पॉडकास्ट को सुनने के लिए लॉग-इन करें या QR कोड स्कैन करें

नवभारत GOLD
विश्व की सर्वश्रेष्ठ हिंदी इंफोटेनमेंट सर्विस
www.navbharatgold.com

आज ही लॉग इन करें और एक्टिवेट करें 15 दिन की फ्री अनलिमिटेड सर्विस।

'लॉग इन' टैब या तीन लाइनों वाले मेन्यू पर क्लिक करें। अपने मोबाइल नंबर, ईमेल या फेसबुक अकाउंट के साथ पूरी करें लॉग इन की प्रक्रिया और पाएं आकर्षक टाइम्स रिवॉर्ड पॉइंट्स।

नवजात की मौत से परिजनों का भड़का गुस्सा, अस्पताल में तोड़फोड़ की

■ विस, सुभाष प्लेस : बुधवार रात पीतमपुरा के कुबेर अस्पताल में प्रेग्नेंट महिला के नवजात बच्चे की मौत पर जमकर बवाल हुआ। गुस्साए परिजनों पर आरोप है कि उन्होंने डॉक्टरों से मारपीट की और अस्पताल में जमकर तोड़फोड़ की। परिजन डॉक्टरों की लापरवाही से बच्चे की मौत का आरोप लगा रहे थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

डीसीपी उषा रंगनानी के मुताबिक, कांति शमसुद्दा ने पुलिस को लिखित शिकायत की, जिसमें मरीज के परिजनों के खिलाफ बदसलूकी करने, डॉक्टरों के साथ हाथापाई करने और अस्पताल की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। तीन डॉक्टरों का मेडिकल करवाने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। पुलिस मामले की छानबीन कर जांच में जुटी। जांच में पता चला कि रानी बाग निवासी साक्षी शर्मा 9 महीने की प्रेग्नेंट थीं। वह 12 अक्तूबर को अस्पताल में भर्ती हुई थीं। अगले दिन डॉक्टरों ने साक्षी का ऑपरेशन किया।

डॉक्टरों से मारपीट का भी आरोप, केस दर्ज कर जांच शुरू

आरोप है कि उनका बच्चा मरा हुआ पैदा हुआ। इस बात की जानकारी मिलने के बाद साक्षी के परिवार वाले गुस्से में आ गए और उनका डॉक्टरों से इस बात को लेकर तीखी नोकझोंक हो गई। आरोप है कि उसके बाद साक्षी के परिवार वाले डॉक्टरों से हाथापाई कर दी और अस्पताल में तोड़फोड़ की।

ट्रेड फेयर में कम हो सकती है विदेशी कंपनियों की संख्या

■ राम त्रिपाठी, नई दिल्ली

कोरोना का असर 40वें इंडिया इंटरनैशनल ट्रेड फेयर पर पड़ता साफ दिखाई दे रहा है। इस बार विदेशी कंपनियों की संख्या कम हो सकती है। इंडियन ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कई देशों में कोरोना की स्थिति अभी सामान्य नहीं हुई है। उन देशों के व्यापारिक संस्थान प्रभावित हुए हैं। विदेशी यात्रा को लेकर भी काफी असमंजस है। इस कारण ट्रेड फेयर में विदेशी कंपनियों के शामिल होने के मामले में 2 स्थितियां साफ दिखाई दे रही हैं।

पहली तो यह कि हमेशा ट्रेड फेयर का हिस्सा रही कई देशों की कंपनियों के ट्रेड फेयर में भाग लेने की संभावना कम है। आईटीपीओ इस बार भी ट्रेड फेयर में उन कंपनियों को शामिल करने के पूरे प्रयास कर रहा है।

कोरोना के कारण कई देशों में स्थितियां सामान्य नहीं हुई हैं

सहित करीबन डेढ़ दर्जन देशों की कंपनियां मेले में शामिल हुई थीं। 2020 में कोरोना के कारण ट्रेड फेयर नहीं हुआ था। इस बार अभी तक वहरीन, टर्की, यूएई, नेपाल, बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने सहमति जता दी है। चीन की कंपनियां के भी मेले में शामिल होने की बहुत अधिक संभावना है। अधिकारी के अनुसार, पिछले 2 साल की तुलना में अगर 40 फीसदी के करीब विदेशी कंपनियां मेले में भागीदार बनती हैं, तो इसे वर्तमान हालात में सफल माना जाएगा। दूसरा, बहुत कम देशों की कंपनियों के अधिकार व मार्केट रिप्रेजेंटिटव मेले में नहीं आ पाएंगे।